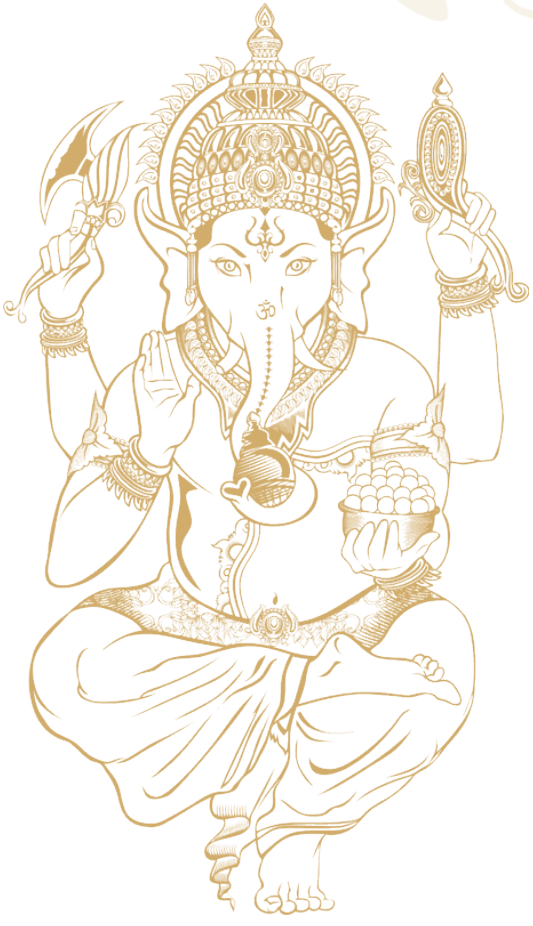

Mr.Ritesh kumar singh

27 Jun 1988

06:45 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 120367302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/06/1988**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:45:00 घंटे**
इष्ट	34:18:15 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:52:44 घंटे
वेलान्तर	-00:03:00 घंटे
साम्पातिक काल	13:16:12 घंटे
सूर्योदय	05:01:42 घंटे
सूर्यास्त	18:48:50 घंटे
दिनमान	13:47:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	12:23:41 मिथुन
लग्न के अंश	12:25:26 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:25:26	340:55:38	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	12:23:41	00:57:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	12:30:23	13:41:14	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			कुंभ	28:03:04	00:32:43	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			वृष	24:43:17	00:12:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृष	01:38:58	00:12:24	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		वृष	21:12:43	00:16:47	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि	व		धनु	05:01:51	00:04:23	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:11:25	00:09:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:11:25	00:09:42	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	05:03:30	00:02:25	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
नेप	व		धनु	15:11:34	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	16:12:10	00:00:44	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	26:55:37	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:50

लग्न-चलित

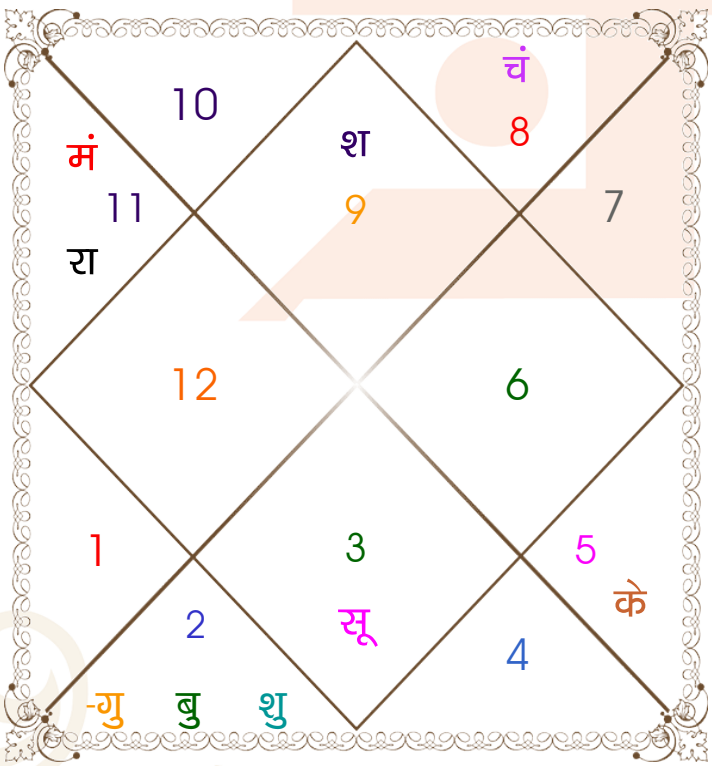

चन्द्र कुंडली

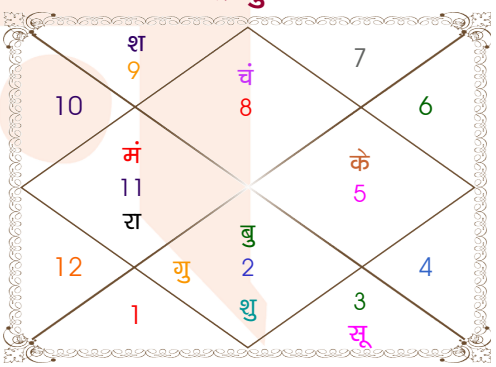

नवमांश कुंडली

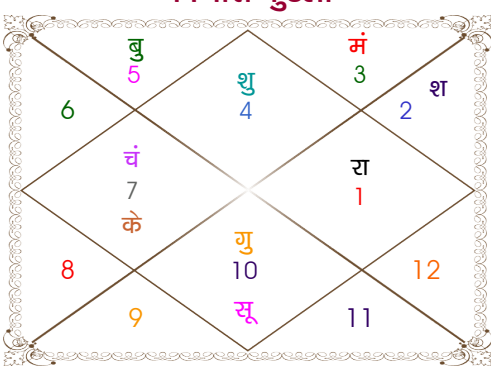

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 11 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/06/1988		02/06/1994		02/06/2011		02/06/2018		02/06/2038	
02/06/1994		02/06/2011		02/06/2018		02/06/2038		01/06/2044	
	00/00/0000	बुध	28/10/1996	केतु	29/10/2011	शुक्र	01/10/2021	सूर्य	19/09/2038
	00/00/0000	केतु	25/10/1997	शुक्र	28/12/2012	सूर्य	01/10/2022	चंद्र	21/03/2039
	00/00/0000	शुक्र	25/08/2000	सूर्य	05/05/2013	चंद्र	01/06/2024	मंगल	27/07/2039
	00/00/0000	सूर्य	02/07/2001	चंद्र	04/12/2013	मंगल	01/08/2025	राहु	19/06/2040
	00/00/0000	चंद्र	01/12/2002	मंगल	02/05/2014	राहु	01/08/2028	गुरु	08/04/2041
	27/06/1988	मंगल	28/11/2003	राहु	21/05/2015	गुरु	02/04/2031	शनि	21/03/2042
मंगल	12/01/1989	राहु	17/06/2006	गुरु	26/04/2016	शनि	02/06/2034	बुध	25/01/2043
राहु	19/11/1991	गुरु	22/09/2008	शनि	04/06/2017	बुध	01/04/2037	केतु	02/06/2043
गुरु	02/06/1994	शनि	02/06/2011	बुध	02/06/2018	केतु	02/06/2038	शुक्र	01/06/2044

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/06/2044		02/06/2054		01/06/2061		02/06/2079		02/06/2095	
02/06/2054		01/06/2061		02/06/2079		02/06/2095		00/00/0000	
चंद्र	01/04/2045	मंगल	29/10/2054	राहु	13/02/2064	गुरु	20/07/2081	शनि	05/06/2098
मंगल	01/11/2045	राहु	16/11/2055	गुरु	08/07/2066	शनि	31/01/2084	बुध	13/02/2101
राहु	02/05/2047	गुरु	22/10/2056	शनि	14/05/2069	बुध	08/05/2086	केतु	25/03/2102
गुरु	31/08/2048	शनि	01/12/2057	बुध	01/12/2071	केतु	14/04/2087	शुक्र	24/05/2105
शनि	02/04/2050	बुध	28/11/2058	केतु	19/12/2072	शुक्र	13/12/2089	सूर्य	06/05/2106
बुध	01/09/2051	केतु	26/04/2059	शुक्र	20/12/2075	सूर्य	01/10/2090	चंद्र	06/12/2107
केतु	01/04/2052	शुक्र	25/06/2060	सूर्य	12/11/2076	चंद्र	31/01/2092	मंगल	28/06/2108
शुक्र	01/12/2053	सूर्य	31/10/2060	चंद्र	14/05/2078	मंगल	06/01/2093		00/00/0000
सूर्य	02/06/2054	चंद्र	01/06/2061	मंगल	02/06/2079	राहु	02/06/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।